आयुर्वेदिक अनुसंधान के लिये बजटीय आबंटन

1794. **श्री अजीत जोगी:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से जुड़े शोध कार्य, शिक्षा प्रैक्टिस और अन्य कार्यों के लिये बजटीय आबंटन में वृद्धि करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इस आबंटन में कितनी वृद्धि की गई है; और

(ग) आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के विकास के लिये क्या योजना तैयार की गई है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा० सी० सिल्वेरा): (क) और (ख) भारतीय चिकित्सा पद्धति और होमियोपैथी विभाग की भिन्न-भिन्न योजना के क्रियान्वयन हेतु 8वीं योजना की शेष अवधि में 20 करोड़ रुपये के अतिरिक्त परिव्यय को पहले ही मंजूरी दी गई है। इन योजनाओं में आयुर्वेदिक पद्धति में अनुसंधान कार्य, शिक्षा आदि कार्यक्रम को पुनः जोरदार ढंग से शुरू करने संबंधी प्रस्ताव शामिल हैं।

(ग) आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के साथ भारतीय चिकित्सा पद्धति और होमियोपैथी के संवर्द्धन के लिए निम्नलिखित योजनाएं तैयार की गई हैं:—

(I) भारतीय चिकित्सा पद्धति और होमियोपैथी कालेजों को सुदृढ़ करना;

(II) भारतीय चिकित्सा पद्धति और होमियोपैथी औषधि परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करना;

(III) भारतीय चिकित्सा पद्धति और होमियोपैथी में अनुसंधान कार्य को तेज करना;

(IV) भारतीय चिकित्सा पद्धति और होमियोपैथी के व्यावसायियों को प्रशिक्षित करना; और

(V) औषधीय पादपों का विकास करना।

Economic and Political Package for Jammu and Kashmir

1795. DR. RANBIR SINGH:
SHRI RAM NATH KOVIND:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what special steps were taken by the Security forces in Jammu and Kashmir during the period since 1st June, 1995 for controlling and curbing militancy as a step towards reviewing conditions for a political dialogue and restoring a duly-elected legislature and representative Government in that State;

(b) whether Government have prepared an economic as well as a political package for normalisation and stablisation of the situation in that State; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI):

(a) to (c) As the part of its efforts to restore abiding peace and normalcy in Jammu & kashmir, the government is keen to restore the democratic and representative institutions in the State at the earliest. A variety of steps have been taken by the Government to create an environment conducive to this. Sustained and targeted operations have been continued against militants to contain their activities, reduce the fear of the gun, and create confidence among the people. These have had a positive impact on the situation, but has also led to desperation among the militants and their mentors across the border, including increasing reliance on foreign national and mercenaries. The Government are aware of the threats and challenges posed by such elements and sustained action will be continued to meet them.

The Government has also made concerted efforts to step up the pace of development and economic activities in the State. Steps have also been taken for